भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

06.08.2014 को लोक सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 3841

ऊर्जा की प्रति यूनिट लागत

3841. श्री हेमन्त तुकाराम गोडसे:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) परमाणु ऊर्जा से उत्पन्न ऊर्जा की अनुमानित प्रति यूनिट लागत कितनी है;;

(ख) क्या सरकार ने विकसित देशों में परमाणु ऊर्जा के नए प्रतिष्ठानों के रुझानों को समर्थन देने के लिए कोई अध्ययन कराया है, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या विकसित देशों ने कोई भी नया परमाणु संयंत्र लगाना बंद कर दिया है और यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या परमाणु आपूर्तिकर्ताओं के लिए भारत सबसे पसंदीदा स्थान माना जा रहा है; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) भारत में नाभिकीय विद्युत संयंत्रों द्वारा उत्पादित बिजली की अधिसूचित शुल्क-दर पहले बिजलीघर, तारापुर परमाणु बिजलीघर (टीएपीएस) यूनिट 1 तथा 2 के संबंध में 95 पैसे प्रति यूनिट से लेकर अंतिम बिजलीघर, राजस्थान परमाणु बिजलीघर (आरएपीएस) यूनिट 5 तथा 6 के मामले में 341 पैसे प्रति यूनिट है। वर्ष 2013-14 के लिए, नाभिकीय विद्युत संयंत्रों द्वारा उत्पादित की गई बिजली की औसत शुल्क दर 271 पैसे प्रति यूनिट है।

(ख) भारत के पास, नवीनतम प्रौद्योगिकी और सुरक्षा संबंधी डिजायनों के साथ नाभिकीय विद्युत संयंत्रों का अभिकल्पन और निर्माण करने की अपेक्षित विशेषज्ञता मौजूद है। भारत, न केवल विकसित देशों में परमाणु ऊर्जा के नए प्रतिष्ठानों के डिजायनों संबंधी प्रवृत्तियों से भलीभांति परिचित है, बल्कि यह विश्व के उन प्रमुख देशों में से भी एक है जिनके पास निश्चेष्ट सुरक्षा संबंधी प्रौद्योगिकियों, नाभिकीय अपशिष्ट पदार्थो का प्रबंधन करने संबंधी प्रौद्योगिकियों, फास्ट ब्रीडर रिएक्टरों , और थोरियम का उपयोग करने वाली प्रौद्योगिकियों सहित प्रगत नाभिकीय प्रौद्योगिकियों का विकास करने की क्षमता मौजूद है। हमारे विकसित हो रहे नए डिजायनों में, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रक्रियाओं पर आधारित नए डिजायनों को समाविष्ट किया जाता है।

(ग) जी, नहीं। संयुक्त राज्य अमरीका, रूसी परिसंघ, फ्रांस आदि अनेक विकसित देश, जैसे नाभिकीय विद्युत संयंत्रों का निर्माण कर रहे हैं।

(घ) तथा (ङ) भारत की नाभिकीय विद्युत का विस्तार करने संबंधी बड़ी योजनाओं को ध्यान में रखते हुए, वैश्विक नाभिकीय आपूर्तिकर्ता, भारत में नाभिकीय विद्युत संयंत्रों को स्थापित करने के लिए तकनीकी सहयोग देने के इच्छुक हैं। न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल), देश में नाभिकीय विद्युत संयंत्रों को स्थापित करने के लिए, रूसी परिसंघ के एटमस्ट्रायएक्सपोर्ट, फ्रांस के मैसर्स अरेवा और एलस्टॉम और संयुक्त राज्य अमरीका के जीई हिताची के साथ विचार-विमर्श कर रहा है।

****